खबर संक्षेप

राष्ट्रीय जम्बूरी के 'जोटाजोटी' कार्यक्रम में शामिल हुआ शहडोल संभाग का रोवर दल



शहडोल। राष्ट्रीय जम्बूरी के अंतर्गत आयोजित 'जोटाजोटी' कार्यक्रम में शहडोल संभाग के सरदार भगत सिंह ओपन रोवर क्रू के सदस्यों ने सहभागिता कर संभाग का प्रतिनिधित्व किया। 17 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम में रोवर लीडर ऋत्विक कुमार मिश्रा के नेतृत्व में दल के सदस्य ओम साहू, शौर्य दहिया, समर्थ मोंधिया एवं अनुराग कुशवाहा शामिल हुए। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद करने, अनुभव साझा करने तथा स्काउटिंग की गतिविधियों को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहयोग, टीम भावना और सामाजिक सेवा जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। स्काउटिंग एवं रोवरिंग गतिविधियां युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने के साथ उनमें सामूहिक कार्य करने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने की प्रेरणा देती हैं। राष्ट्रीय जम्बूरी जैसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। सरदार भगत सिंह ओपन रोवर क्रू, शहडोल संभाग के इस दल की सहभागिता से क्षेत्र में स्काउटिंग एवं रोवरिंग गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। दल के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने अनुभवों का विस्तार किया और शहडोल संभाग का प्रतिनिधित्व किया।

कांग्रेस का वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान



शहडोल। आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक कसावट को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महत्वाकांक्षी वोट बचाओ, देश बचाओ कार्यक्रम के तहत आज, 27 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) को शहडोल जिला कांग्रेस कमेटी की एक अति-आवश्यक और महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। शहर के कांग्रेस भवन में दोपहर ठीक 1 बजे आयोजित होने वाली इस बैठक में जिले भर के दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा रहेगा। इस उच्चस्तरीय बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त विशेष आब्जर्वर अशोक अर्जुनराव जगताप (भाई जगताप) मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी करेंगे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आब्जर्वर भाई जगताप जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। इस दौरान वे वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के मूल उद्देश्यों को साझा करने के साथ-साथ जिले में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत व सक्रिय बनाने की भावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करेंगे।
बैठक की तैयारियों को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने जिले के समस्त कांग्रेसजनों से कार्यक्रम में समय पर पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह बैठक संगठन की भावी दिशा और दशा तय करने के लिहाज से बेहद अहम है। अजय अवस्थी ने जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, ब्लॉक, मंडलम व सेक्टर अध्यक्षों के साथ-साथ युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल और एनएसयूआई के पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा निर्वाचित पार्षदों, जिला व जनपद पंचायत सदस्यों और सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों के संयोजकों से भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है।
कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि इस बैठक के जरिए कार्यकर्ताओं में नया उत्साह फूंकने और वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। आज होने वाली इस बैठक को शहडोल जिले में कांग्रेस के भावी शक्ति प्रदर्शन और संगठनात्मक एकजुटता के बड़े मंच के रूप में देखा जा रहा है।

आर्थिक संकट में जयसिंहनगर जनपद के सरपंच-सचिव और एजेंसियां

खनिज प्रतिष्ठान मद के निर्माण कार्यों का भुगतान पांच महीने बाद भी लंबित

जयसिंहनगर। आदिवासी अंचल में सरकारी विकास कार्यों की जमीनी हकीकत इन दिनों व्यवस्था की सुस्ती की पोल खोल रही है। जयसिंहनगर जनपद पंचायत अंतर्गत खनिज प्रतिष्ठान मद से स्वीकृत हुए विकास कार्यों के निर्माण पूर्ण होने के पांच महीने बीत जाने के बाद भी अंतिम भुगतान नहीं हो सका है। नतीजतन, उधार की सामग्री से निर्माण कराने वाली पंचायत की निर्माण एजेंसियां, स्थानीय व्यापारी और खून-पसीना बहाने वाले मजदूर गहरे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। हालत यह है कि बकाया चुकाना अब सरपंच-सचिवों और एजेंसियों के लिए किसी गंभीर चुनौती से कम नहीं रह गया है।

महज 30 प्रतिशत राशि से शुरू हुए थे कार्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2026 के शुरुआती महीनों यानी मार्च-अप्रैल के दौरान जिला पंचायत शहडोल द्वारा जयसिंहनगर जनपद पंचायत के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में खनिज प्रतिष्ठान मद से अनेक विकास और निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृतियां जारी की गई थीं। नियमों और वित्तीय आवंटन की प्रक्रिया के तहत इन कार्यों के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को स्वीकृत कुल बजट का मात्र 30 प्रतिशत हिस्सा ही अग्रिम या शुरुआती तौर पर उपलब्ध कराया गया था, जबकि शेष 70 प्रतिशत राशि का भुगतान कार्य पूर्ण होने के बाद अंतिम देयकों के साथ जारी किया जाना था।

उधार की सामग्री और भरोसे पर पूरे कराए गए कार्य

प्रशासकीय स्वीकृति मिलने और शुरुआती राशि हाथ में आने के बाद जयसिंहनगर जनपद की निर्माण एजेंसियों ने तय समय-सीमा में जनता तक विकास कार्य पहुंचाने की नीयत से स्थानीय बाजार के व्यापारियों का रुख किया। एजेंसियों ने सीमेंट, सरिया, रेत, गिट्टी और अन्य निर्माण सामग्री पूरी तरह उधार पर ली और युद्धस्तर पर निर्माण कार्य शुरू करा दिए। एजेंसियों का स्पष्ट उद्देश्य था कि तय समय में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए और जैसे ही शेष राशि प्राप्त होगी, वैसे ही व्यापारियों का बकाया और मजदूरों की मजदूरी का भुगतान साफ कर दिया जाएगा। स्थानीय सरपंच-सचिवों और एजेंसियों की मेहनत रंग लाई और जून-जुलाई 2026 तक अधिकांश निर्माण कार्य धरातल पर सफलतापूर्वक पूरे भी कर लिए गए।

महीनों से धूल फांक रही हैं भुगतान की फाइलें

निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित तकनीकी अधिकारियों से मौके पर माप-पंजी (एमबी) भरवाकर और पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त कर तमाम आवश्यक



दस्तावेज जून और जुलाई माह में ही अंतिम भुगतान के लिए जिला पंचायत शहडोल में विधिवत जमा करा दिए गए थे। एजेंसियों को पूरी उम्मीद थी कि सरकारी प्रक्रिया के तहत कुछ ही हफ्तों में उनका बकाया भुगतान उनके खातों में पहुंच जाएगा, लेकिन लगभग चार से पांच महीने का लंबा वक्त गुजर जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। जिला पंचायत कार्यालय में भुगतान की आस में अटकी फाइलों को लेकर अब जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।

व्यापारियों का उधार और मजदूरों का पसीना मांग रहा जवाब

इस पूरे प्रशासनिक विलंब का सबसे बुरा असर धरातल पर काम करने वाले छोटे व्यापारियों और गरीब मजदूरों पर पड़ रहा है। जिन व्यापारियों ने अपनी व्यावसायिक साख और भरोसे के आधार पर एजेंसियों को महीनों पहले निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई थी, वे अब अपने पैसों के लिए चक्कर काट रहे हैं। इसके साथ ही, निर्माण कार्यों में पसीना बहाने वाले स्थानीय मजदूरों की मजदूरी भी भुगतान के अभाव में लटकी हुई है। एक तरफ विकास कार्य अपनी पूरी चमक के साथ खड़े हैं, तो दूसरी तरफ निर्माण एजेंसियों के पास इन भुगतानों को चुकाने के लिए फूटी कौड़ी भी नहीं बची है। इससे संबंधित सरपंच-सचिवों पर लगातार चौतरफा दबाव बढ़ता जा रहा है। यदि यह स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो एजेंसियों को न केवल भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यापारिक विश्वसनीयता पर भी आंच आ सकती है।

लैब टेस्टिंग, बिल और रॉयल्टी के बाद हो भुगतान

इस पूरे घटनाक्रम के बीच स्थानीय जागरूक नागरिकों और जानकारों का यह भी कहना है कि खनिज मद जैसी संवेदनशील राशि से कराए गए विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सर्वोपरि होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त निर्माण सुनिश्चित करने के लिए यह बेहद आवश्यक है कि खनिज मद द्वारा कराए गए समस्त निर्माण कार्यों के वैध बिल, रॉयल्टी पर्ची और उनकी अनिवार्य लैब टेस्टिंग (गुणवत्ता परीक्षण) रिपोर्ट का विधिवत परीक्षण करने के उपरांत ही अंतिम भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाए। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता किए बिना पारदर्शी तरीके से भुगतान होना चाहिए, ताकि जनता के पाई-पाई का सदुपयोग सुनिश्चित हो सके।

आदिवासियों अंचल में जवाबदेही की गंभीर चुनौती

जयसिंहनगर जनपद का यह पूरा क्षेत्र प्रमुख आदिवासी अंचल के अंतर्गत आता है, जहां अधिकांश ग्राम पंचायतों की बागडोर आदिवासी जनप्रतिनिधियों और महिला सरपंचों के हाथों में है। प्रशासनिक सुस्ती के कारण उत्पन्न इस वित्तीय संकट ने इन ग्रामीण जनप्रतिनिधियों के सामने गंभीर मानसिक और आर्थिक दबाव पैदा कर दिया है। बिना किसी गलती के उन्हें जनता और लेनदारों के तीखे सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

कलेक्टर और सीईओ से त्वरित हस्तक्षेप की मांग

जयसिंहनगर जनपद के पीड़ित सरपंचों, सचिवों, निर्माण एजेंसियों और व्यापारियों ने कलेक्टर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) से मांग की है कि वे इस मामले में तत्काल व्यक्तिगत हस्तक्षेप करें। क्षेत्रवासियों की मांग है कि खनिज प्रतिष्ठान मद से स्वीकृत और पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों की लंबित भुगतान फाइलों की उच्चस्तरीय समीक्षा कराई जाए। साथ ही, जयसिंहनगर जनपद की संबंधित ग्राम पंचायतों को शेष 70 प्रतिशत राशि तत्काल जारी की जाए, ताकि नियमानुसार लैब टेस्टिंग, वैध बिल और रॉयल्टी के दस्तावेजों का सत्यापन करते हुए सभी का बकाया भुगतान शीघ्र सुनिश्चित किया जा सके।

परिजनों ने तय की शादी तो प्रेमी ने किया इनकार

जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे





शहडोल। सोशल मीडिया पर पनपा प्यार किस तरह किसी की जिंदगी को अंधकार में धकेल सकता है, इसका एक रूह कंपा देने वाला मामला जिले के बुढार थाना अंतर्गत केशवाही चौकी क्षेत्र से सामने आया है। इंस्टाग्राम पर हुई एक मामूली दोस्ती ने धीरे-धीरे ऐसा भयानक मोड़ लिया कि एक 23 वर्षीय कॉलेज छात्रा को शारीरिक और मानसिक प्रताडना के सिवाय कुछ नहीं मिला। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए त्वरित कार्रवाई की है और आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।
जानकारी के अनुसार, पीड़ित छात्रा बीएससी और पीजीडीसीए की पढ़ाई कर रही है। वर्ष 2023 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान केशवाही निवासी कनिष्क सिंह उर्फ छोटू से हुई थी। धीरे-धीरे बातचीत का सिलसिला बढ़ा और जनवरी 2024 में दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। आरोप है कि युवक ने छात्रा का विश्वास जीतने के लिए शादी का पक्का वादा किया। इसके बाद 29 अक्टूबर 2024 को आरोपी ने उसे ग्राम कुम्हारी स्थित एक सूने बाड़े में ले जाकर विवाह का झांसा दिया और अपनी हवस का शिकार बनाया। इसके बाद से ही आरोपी लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा।मामले का सबसे डरावना पहलू यह है कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि इस दौरान वह तीन बार गर्भवती हुई। हर बार आरोपी उसे बहला-फुसलाकर और शादी के बाद बच्चा करने का झांसा देकर गर्भपात की गोलियां खिलाता रहा। जब पीड़िता ने विरोध जताया, तो शातिर आरोपी ने उसके कुछ अश्लील वीडियो और तस्वीरें चुपके से अपने मोबाइल में कैद कर लीं। इन वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार उस पर दबाव बनाता रहा। पीड़िता ने पुलिस को अपनी इस आपबीती के समर्थन में मोबाइल चैट, फोटो और अन्य पुख्ता डिजिटल साक्ष्य सौंपे हैं।हद तो तब हो गई जब आरोपी कनिष्क के परिजनों ने उसकी शादी किसी अन्य युवती तय कर दी। यह बात सामने आते ही कनिष्क ने पीड़िता से किनारा करना शुरू कर दिया और साफ तौर पर शादी से इंकार कर दिया। जब पीड़िता ने विरोध दर्ज कराया, तो आरोपी पक्ष के लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इस कथित धमकी का एक ऑडियो भी सामने आया है, जिसने मामले को और तूल दे दिया।
पीड़िता की हिम्मत और शिकायत के आधार पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं (विशेष तौर पर धारा 69) के तहत मामला पंजीबद्ध किया। इसके बाद बुढार पुलिस ने जाल बिछाकर मुख्य आरोपी कनिष्क सिंह उर्फ छोटू को धर दबोचा। पुलिस अब मामले के अन्य पहलुओं और परिवार की संलिप्तता की बारीकी से जांच कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर बढ़ती दूरियों और अनजान रिश्तों की आड़ में होने वाले अपराधों को लेकर समाज में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इनका कहना है...

केशवाही चौकी क्षेत्र में एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर गलत काम करने मामले में शिकायत पर मामला दर्ज हुआ था, जिसके आरोपी को आज गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।
खेम सिंह पैंद्रो
थाना प्रभारी, बुढ़ार

घर में विस्फोटक फेंककर युवती को उड़ाने की साजिश का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार



उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोयलारी में मध्यरात्रि हुए एक सनसनीखेज बम धमाके ने पूरे इलाके को दहला दिया है। घर के भीतर सोते समय विस्फोटक फेंककर एक युवती को गंभीर रूप से घायल करने के इस जघन्य मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को धर दबोचा है। इस वारदात ने न सिर्फ ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह खौफनाक वारदात बीती 14 अक्टूबर 2026 की रात करीब ढाई बजे को अंजाम दी गई। जब पूरा गांव गहरी नींद में सो रहा था, तभी अज्ञात बदमाशों ने ग्राम कोयलारी निवासी एक परिवार को निशाना बनाते हुए घर के अंदर खतरनाक विस्फोटक पदार्थ फेंक दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि कमरे के भीतर रखा गद्दा, बिस्तर और युवती के पहने हुए कपड़े तक जलकर खाक हो गए। इस अचानक हुए हमले की चपेट में आने से घर में मौजूद युवती गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने आनन-फानन में उसे जिला चिकित्सालय उमरिया पहुंचाया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चला।घटना की गंभीरता को भांपते हुए चंदिया थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1884 की धारा 3, 4 एवं 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भागवानी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी पी.एस. परस्ते के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से कटनी जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम विलायत खुर्द के रहने वाले रोहित बर्मन को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, तो रोहित टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने खुलासा किया कि उसने मोहित बर्मन और बबलू खान से विस्फोटक सामग्री हासिल की थी और फिर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।
मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शहडोल से विशेष रूप से आए बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से विस्फोटक के अवशेष व साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मुख्य आरोपी रोहित बर्मन के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई साइकिल और एक मोटोरोला मोबाइल फोन भी जब्त किया है। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों को इतनी खतरनाक विस्फोटक सामग्री कहां से मिली और इस जानलेवा हमले के पीछे की असली वजह क्या थी। इस त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है, लेकिन इस तरह के खतरनाक हथियारों की पहुंच ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता जरूर बढ़ा दी है।

दुकान में घुसे तेज रफ्तार ट्रक ने ली बेटे की जान, पिता गंभीर रूप से घायल



उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर सोमवार की सुबह एक भीषण सडक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। कटनी की ओर से आ रहा एक बेलगाम कैप्सूल वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सडक किनारे स्थित एक दुकान में जा घुसा। इस दर्दनाक हादसे में दुकान के पास मौजूद 38 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके बुजुर्ग पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। एक ही झटके में हंसते-खेलते परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, जिससे पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।
प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह एक भारी-भरकम कैप्सूल वाहन क्रमांक एमपी 18 जेडडी 1174 तेज रफ्तार में कटनी से उमरिया की तरफ जा रहा था। चंदिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर पहुंचते ही वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सीधे सडक किनारे बनी संतोष कुशवाहा की दुकान में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार और भयानक थी कि संतोष कुशवाहा उम्र 38 वर्ष को संभलने या बचाव का मौका तक नहीं मिला। वाहन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके साथ मौजूद उनके पिता नत्थू कुशवाहा इस भीषण हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े।
घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को फोन किया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल नत्थू कुशवाहा को तत्काल चंदिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनकी जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष जारी है। उधर, बेटे संतोष की अचानक हुई मौत से मां, पत्नी और पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।
बताया जा रहा है कि यह पीड़ित परिवार हाईवे के किनारे ही एक छोटे से कच्चे मकान में रहकर गुजर-बसर करता था। परिवार की आजीविका मुख्य रूप से वाहनों की धुलाई (वॉशिंग) के लिए पानी की आपूर्ति करने जैसे छोटे-मोटे कामों पर टिकी थी। परिवार के लोग अपनी मेहनत के बल पर दो वक्त की रोटी कमा रहे थे। उन्हें इस बात का दूर-दूर तक अंदाजा नहीं था कि जिस हाईवे के किनारे वे रोजी-रोटी चला रहे हैं, वही उनके लिए काल बन जाएगा। एक झटके में उनकी वर्षों की मेहनत और सपनों का आशियाना मलबे में तब्दील हो गया।
इस हादसे ने एक बार फिर नेशनल हाईवे पर दौडबो वाले भारी वाहनों की अंधाधुंध रफ्तार और प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाईवे के किनारे बसे लोगों और छोटे दुकानदारों की जान हमेशा खतरे में रहती है, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम कसने के लिए कोई ठोस उपाय नजर नहीं आते। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते भारी वाहनों की गति सीमा तय नहीं की गई और नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कराया गया, तो ऐसे हादसे मासूमों की जान लेते रहेंगे। फिलहाल, पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चालक को झपकी आई थी या वाहन में कोई तकनीकी खराबी थी।

लल्लू सिंह चौक से न्यू बस स्टैंड तक हटाए गए स्थायी ठेले





शहडोल। शहर की सडक़ों पर लगातार गहराते जाम के झाम और बदहाल होती यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए नगर पालिका परिषद शहडोल ने आखिरकार सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित रूप देने की मुहिम के तहत सोमवार को लल्लू सिंह चौक से लेकर न्यू बस स्टैंड मार्ग तक व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित कुमार तिवारी के सीधे मार्गदर्शन में हुई इस अचानक कार्रवाई से पूरे व्यावसायिक इलाके और अतिक्रमणकारियों में हडक़ंप मच गया।
कार्रवाई के दौरान नगर पालिका की टीम ने भारी मशीनों की मदद से सार्वजनिक स्थानों और सडक़ों पर लंबे समय से काबिज बड़े स्थायी ठेलों तथा अवैध ढांचागत निर्माणों को हटाने का काम किया। अभियान के दौरान लाउडस्पीकर (ध्वनि विस्तारक यंत्र) के माध्यम से लगातार मुनादी कराई गई और दुकानदारों को स्पष्ट हिदायत दी गई कि वे फुटपाथ और सडक़ों पर से अपना अवैध कब्जा तत्काल हटा लें।
नगर पालिका प्रशासन ने छोटे व्यापारियों, सब्जी विक्रेताओं और ठेला चालकों से अपील की है कि वे सडक़ों और फुटपाथों पर स्थायी रूप से ठेला खड़ा कर आवागमन को बाधित न करें। निकाय ने स्पष्ट किया है कि छोटे व्यवसायी अपनी आजीविका के लिए चलित (मूविंग) ठेलों का उपयोग करें ताकि ट्रैफिक सुचारु रूप से चलता रहे। विशेष रूप से व्यस्त चौराहों, संकरे मोड़ों और अति-संवेदनशील इलाकों में ठेले लगाकर हादसों को न्योता न देने की सख्त हिदायत दी गई है।
कार्रवाई के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित कुमार तिवारी ने चेतावनी दी है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की यह मुहिम सिर्फ एक दिन का दिखावा नहीं है, बल्कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा लल्लू सिंह चौक से न्यू बस स्टैंड मार्ग के अलावा शहर के अन्य प्रमुख व्यावसायिक और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। जो लोग समय रहते खुद से कब्जा नहीं हटाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और उससे होने वाले नुकसान व हर्जाने की पूरी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।
नगर पालिका ने समस्त शहरवासियों और व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक संपत्तियों और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त रखने में शहर के जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। सोमवार को हुई इस बड़ी कार्रवाई के दौरान नगर पालिका की राजस्व टीम, संबंधित वार्डों के प्रभारी, अतिक्रमण दस्ता और बड़ी संख्या में कर्मचारी मुस्तैद रहे। कार्रवाई के बाद लल्लू सिंह चौक से बस स्टैंड मार्ग की सडक़ें खुली-खुली नजर आईं, जिससे आम राहगीरों ने राहत की सांस ली।

खबर संक्षेप

मानपुर में गूंजी मन की बात



मानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 139वें एपिसोड का सामूहिक प्रसारण नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 02 स्थित अनारकली पटेल के निवास पर उत्साहपूर्वक सुना गया। भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सोमवती गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण और प्रेरणादायी संदेशों को सुना गया। हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम देश के कोने-कोने से जुड़ी सफलता की कहानियों, नवाचारों और युवाओं के योगदान से रूबरू होने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है।इस अवसर पर सरिता पटेल, अमरकली पटेल, साधना पटेल, रुक्मणी पटेल, मुकुंद लाल पटेल, अरबराज पटेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देशहित और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

जिला कौशल समिति की बैठक आज

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर को जनसुनवाई कार्यक्रम के पश्चात जिला कौशल समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

उमरिया में 70वीं राष्ट्रीय शालेय हैण्डबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग एवं लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार 70वीं राष्ट्रीय शालेय हैण्डबॉल प्रतियोगिता (बालक अंडर-14 वर्ष) का शुभारंभ 27 अक्टूबर को अमर शहीद स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम में बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह एवं जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अनुजा पटेल समारोह की सह-अध्यक्षता करेंगी। वहीं जिला पंचायत उमरिया के उपाध्यक्ष श्री ओम नारायण सिंह तथा नगर पालिका परिषद उमरिया की अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सडक सुरक्षा समिति की बैठक आज

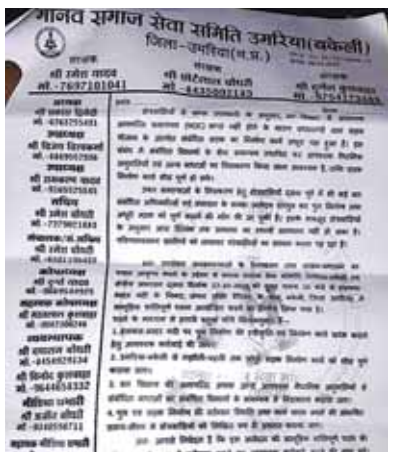
उमरिया। जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की फिजिकल बैठक का आयोजन 27 अक्टूबर को दोपहर एक बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

हलफल-भादर नदी पर पुल और अधूरी सडक़ को लेकर आज विशाल शांतिपूर्ण धरना

उमरिया-मानपुर क्षेत्र के ग्रामीणों का छलका दर्द

मानपुर। विकास के तमाम दावों और दावों के बीच मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के अंतर्गत मानपुर क्षेत्र के ग्रामीण आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए किस कदर जूझ रहे हैं, इसकी बानगी बकेली और आसपास के ग्रामीण इलाकों में साफ देखी जा सकती है। हलफल-भादर नदी पर पुल का अभाव और उमरिया-बकेली से मझौली-चहली तक अधूरी पड़ी प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना की सडक़ ने स्थानीय नागरिकों का जीवन मुहाल कर दिया है। इसी गंभीर जनसमस्या के स्थायी समाधान और शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने के लिए आज 27 अक्टूबर 2026 को ग्राम बकेली में जंगल चौकी बैरियर के पास सुबह 10 बजे से एक विशाल और सामूहिक शांतिपूर्ण धरने का आयोजन किया जा रहा है। इस जनहित की लड़ाई की अगुवाई मानव समाज सेवा समिति उमरिया (बकेली) कर रही है, जिसके आह्वान पर क्षेत्र के हजारों ग्रामीण, युवा, महिलाएं और स्थानीय जनप्रतिनिधि एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं।







20 किलोमीटर का अतिरिक्त फेरा और हादसों का जोखिम

क्षेत्रवासियों का दर्द है कि हलफल-भादर नदी पर पुल न होने के कारण बकेली, करौंदिया, सुखदास, पिटौर, बमोरा, कसेरू और बड़वाही सहित दर्जनों गांवों का जनजीवन थम सा गया है। नदी पर पुल न होने से ग्रामीणों को अपने रोजमर्रा के कामों, व्यापार और आवागमन के लिए लगभग 20 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करने को मजबूर होना पड़ता है। बरसात के दिनों या नदी में जलस्तर बढऩे पर यह समस्या जानलेवा साबित होती है। पूर्व में भी नदी पार करने के दौरान कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, इसके बावजूद अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

अधूरी सडक़ बनी मरीजों और विद्यार्थियों के लिए अभिशाप

सिर्फ पुल ही नहीं, बल्कि उमरिया-बकेली से मझौली-चहली तक जाने वाली सडक़ का निर्माण भी लंबे समय से अधूरा पड़ा है। स्थिति यह है कि सडक़ पर पड़े गड्ढों और अधूरे निर्माण के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं, बुजुर्गों और दैनिक यात्रियों का चलना दूभर हो गया है। सबसे ज्यादा दयनीय स्थिति गर्भवती महिलाओं और आपातकालीन चिकित्सा (इमरजेंसी) की आवश्यकता वाले मरीजों की है। समय पर अस्पताल न पहुंच पाने के कारण मरीजों की जान पर हमेशा खतरा मंडराता रहता है, जिससे पूरे क्षेत्र में भारी रोष व्याप्त है।

वन विभाग की एनओसी और प्रशासनिक सुस्ती बनी बड़ी बाधा

मानव समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के तहत स्वीकृत इस सडक़ का काम वन विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और अन्य वैधानिक स्वीकृतियां न मिलने के कारण बीच में ही अटका हुआ है। समिति का कहना है कि यदि संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करें, तो इस प्रशासनिक और तकनीकी अड़चन को आसानी से दूर किया जा सकता है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण जनता पिस रही है।

जिला प्रशासन को पहले ही दी जा चुकी है चेतावनी

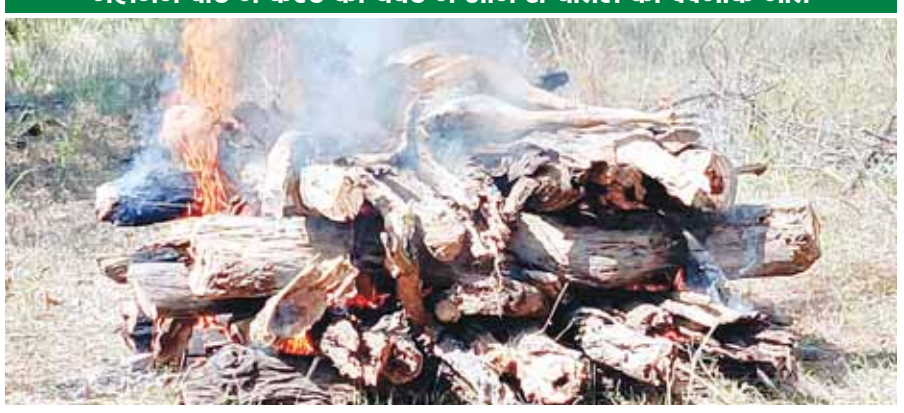
इस आसन्न और गंभीर समस्या को लेकर मानव समाज सेवा समिति ने बीते 22 अक्टूबर 2026 को ही जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, उपसंचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, एसडीएम मानपुर, थाना प्रभारी इंदवार और चौकी प्रभारी अमरपुर को आधिकारिक रूप से ज्ञापन सौंपकर पूर्व सूचना दे दी थी। समिति ने स्पष्ट किया है कि जब तक प्रशासन की ओर से मांगों के संबंध में कोई ठोस, सकारात्मक और समयबद्ध कार्रवाई शुरू नहीं की जाती, तब तक यह लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण धरना जारी रहेगा।

मानव समाज सेवा समिति की अपील

मानव समाज सेवा समिति के संरक्षक रमेश यादव, छोटेलाल चौधरी, दुर्गेश कुशवाहा, अध्यक्ष प्रकाश द्विवेदी, उपाध्यक्ष विजय विश्वकर्मा, रामकरण यादव, सचिव उमेश चौधरी, संचालक रमेश चौधरी, कोषाध्यक्ष दुर्गा यादव सहित समस्त पदाधिकारियों ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि यह मुद्दा किसी एक व्यक्ति या एक गांव का नहीं, बल्कि पूरे इलाके के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा है। आज आयोजित इस शांतिपूर्ण धरने में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं, ताकि शासन-प्रशासन कुंभकर्ण की नींद से जागे और क्षेत्र के विकास का रास्ता प्रशस्त हो सके।

बांधवगढ़ में वन्यजीवों की सुरक्षा रामभरोसे

महामन बीट में करंट की चपेट में आने से चीतल की दर्दनाक मौत



मानपुर। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर परिक्षेत्र में वन्यजीवों के शिकार और उनकी असुरक्षा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। परिक्षेत्र की महामन बीट में खेतों में बिछाए गए मौत के जाल यानी अवैध विद्युत कनेक्शन की चपेट में आने से एक चीतल की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर पार्क प्रबंधन के गश्ती और निगरानी दावों की पोल खोलकर रख दी है।

खेत की फेंसिंग में दौड़ रहा था हाई-वोल्टेज करंट

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीट परासी के कक्ष क्रमांक पी-114 से सटे महामन गांव के राजस्व क्षेत्र में नियमित गश्ती के दौरान वन अमले को खेत की मेड़ के पास एक चीतल मृत अवस्था में मिला। जब अगले दिन वन्यजीव विशेषज्ञों और वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का बारीक निरीक्षण किया, तो होश उड़ाने वाला सच सामने आया। खेत के चारों ओर चार परतों में जीआई तार की फेंसिंग की गई थी, जिसमें घरेलू बिजली लाइन से सीधा अवैध कनेक्शन जोड़ा गया था। प्रारंभिक जांच में साफ हुआ है कि इसी करंट की चपेट में आने से चीतल की जान गई है।

हफ्तेभर में दूसरी घटना, उठे गंभीर सवाल

गौरतलब है कि महज कुछ ही दिनों पहले धमोखर परिक्षेत्र की बसकुटा बीट में एक नीलगाय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, जिसमें दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। यही नहीं, पूर्व में भी इस इलाके से बाघ के शिकार से जुड़े आरोपी पकड़े जा चुके हैं। एक ही क्षेत्र में बार-बार हो रही ऐसी घटनाएं साबित करती हैं कि शिकारियों और खेतों में अवैध करंट फैलाने वालों के दिल में प्रशासन का कोई खौफ नहीं बचा है।

जांच जारी, कार्रवाई का आश्वासन

घटना के बाद पार्क प्रबंधन ने पंचनामा तैयार कर मृत चीतल का पोस्टमार्टम कराया और नियमानुसार शवदाह की प्रक्रिया पूरी की। विभाग का कहना है कि साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है और जांच जारी है। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि आखिर खेतों में मौत का करंट दौड़ाने वाली इस खतरनाक प्रथा पर स्थायी लगाम कब लगेगी?

---

2 नवंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल, सहमति के बाद भी मरम्मत कार्य अधूरे रहने का आरोप

श्रमिक आवासों की बदहाली पर कोयला श्रमिक संगठन का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के जमुना-कोतमा क्षेत्र में श्रमिक आवासों की बदहाली को लेकर भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन का आरोप है कि श्रमिक आवासों में छतों से पानी टपकने, दीवारों में सीलन, टूटे दरवाजे-खिड़कियां, खराब जलापूर्ति पाइपलाइन, जाम नालियां और अधूरे मरम्मत कार्य जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। इन समस्याओं को लेकर पहले भी बैठकों में मुद्दे उठाए गए और सहमति बनी, लेकिन संगठन के मुताबिक जमीन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। अब संगठन के क्षेत्र अध्यक्ष विजय सिंह ने महाप्रबंधक को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि मांगों का संतोषजनक निराकरण नहीं होने पर 2 नवंबर 2026 से महाप्रबंधक कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। संगठन ने सवाल उठाया है कि जब श्रमिक आवासों की समस्याएं आवास क्रमांक सहित बैठक में सामने रखी जा चुकी हैं, तो मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य अब तक लंबित क्यों हैं? पत्र में भवन निर्माण एवं मरम्मत, बिजली व्यवस्था, सफाई और चिकित्सा सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का भी उल्लेख किया गया है। संगठन ने लंबित शिकायतों पर की गई कार्रवाई का विवरण उपलब्ध कराने की मांग की है। विजय सिंह ने पत्र में उल्लेख किया है कि महामंत्री की ओर से दिए गए हड़ताल नोटिस पर 12 अक्टूबर 2026 को चर्चा हुई थी। संगठन का कहना है कि इस दौरान जिन बिंदुओं पर सहमति बनी थी, उन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। कोतमा कोयला खदान के अतिथि गृह में कल्याण समिति की बैठक के दौरान भी श्रमिक आवासों की समस्याएं क्रमवार रखी गई थीं। इसके बावजूद कई शिकायतों का समाधान नहीं होने का आरोप लगाया गया है। संगठन के मुताबिक, आवासों की मरम्मत में देरी का सीधा असर श्रमिकों और उनके परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। कहीं छत से पानी टपक रहा है, तो कहीं दीवारों में सीलन, खराब फर्श, टूटे दरवाजे-खिड़कियां और जलापूर्ति की पाइपलाइन से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में सवाल है कि इन शिकायतों के निराकरण के लिए कार्ययोजना क्या है और लंबित कार्य कब तक पूरे होंगे।

बीएमएस के पत्र में जमुना-कोतमा क्षेत्र की विभिन्न कोयला खदानों की बस्तियों और आवासीय परिसरों के कई आवासों की समस्याओं



का उल्लेख किया गया है। गोविंदा कोयला खदान के कर्मचारी क्लब के दरवाजे, पीछे की खिड़की और मरम्मत कार्य के साथ लहसुनी शिविर के जर्जर ऊंचे जलाशय की समस्या उठाई गई है। पत्र के अनुसार, जमुना आवासीय परिसर की टूटी और जाम नाली की मरम्मत, जमुना कोयला खदान की दो मंजिला आवासीय इमारतों में नालियों की सफाई तथा आशीष तिवारी के आवास में दरवाजे और नाली से जुड़े कार्य लंबित हैं। कोयला खदान में भवन मरम्मत कार्य, बरतराई के में नाली की मरम्मत, कोतमा कोयला खदान के में बाहरी हिस्से और टूटी चादर की मरम्मत तथा भवन मरम्मत, पाइपलाइन और चादर संबंधी कार्य कराने की मांग की गई है। शिकायतों की इस लंबी सूची के बीच प्रमुख सवाल यह है कि आवासों की मरम्मत और नागरिक सुविधाओं के लिए जिम्मेदार विभाग ने अब तक कितने कार्य पूरे किए हैं और कितने मामले अभी लंबित हैं। हालांकि, इन समस्याओं की वास्तविक स्थिति और प्रबंधन की ओर से की गई कार्रवाई की स्वतंत्र पुष्टि केवल इस पत्र के आधार पर नहीं होती। बीएमएस ने श्रमिक आवासों की समस्याओं के साथ स्थायी खाता संख्या (पैन) संबंधी गड़बड़ी के नाम पर राशि काटे जाने का मुद्दा भी उठाया है। विजय सिंह ने पत्र में नीलम यादव, गोकुल, गंगी, मिलन चक्रवर्ती सहित अन्य लोगों का उल्लेख करते हुए पूछा है कि संबंधित राशि किस मद में जमा की गई। संगठन ने कटौती का आधार, राशि के उपयोग और संबंधित श्रमिकों को इसकी जानकारी दिए जाने के संबंध में स्पष्ट जवाब मांगा है। यह मामला भी पारदर्शिता से जुड़ा है। संगठन की मांग है कि संबंधित श्रमिकों को बताया जाए कि राशि किस कारण से काटी गई और उसे किस मद में जमा किया गया। हालांकि, पत्र में उठाए गए इस मुद्दे पर प्रबंधन का पक्ष सामने आना बाकी है। विजय सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि लंबित मांगों का संतोषजनक समाधान नहीं किया गया तो 2 नवंबर से महाप्रबंधक कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। पत्र में प्रस्तावित आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी प्रबंधन पर डालते हुए समय रहते समस्याओं का निराकरण कराने की मांग की गई है।

अमरकंटक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों का राष्ट्रीय सम्मेलन

पूर्वजों के बलिदान को किया नमन, प्रतीक चिह्न भेंटकर किया गया सम्मानित



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित श्रीयंत्र महामेरु शक्तिपीठ, सोनमुड़ा रोड में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सपूतों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके परिवारों के उत्तराधिकारियों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीयंत्र महामेरु शक्तिपीठ के संस्थापक एवं अध्यक्ष के तत्वावधान में स्वामी शरदपुरी महाराज के सानिध्य में हुआ। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों की विभिन्न पीढ़ियों से आए उत्तराधिकारियों को प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाना तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों के योगदान और विरासत को सम्मान देना रहा। इस अवसर पर उपस्थित परिवारों के उत्तराधिकारियों को सम्मानित कर उनके पूर्वजों के राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त की गई। सम्मान प्राप्त करने के बाद विभिन्न परिवारों के सदस्यों ने अपने पूर्वजों के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े संस्मरण, संघर्ष की गाथाएं और देश की आजादी के लिए किए गए त्याग के प्रसंग साझा किए। इन अनुभवों के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास और बलिदान की परंपरा को याद किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन में चंद्रप्रकाश बाजपेई, पूर्व विधायक सीपत, छत्तीसगढ़ एवं स्वतंत्रता सेनानी-शहीद परिवार समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष; आलोक चन्द्रसोरिया, मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष; जितेंद्र रघुवंशी, संयोजक; आदित्य रघुवंशी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं फिल्म निर्माता; तथा उषा किरण बाजपेई, स्वतंत्रता सेनानी परिवार महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सहित अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। इसके साथ ही मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों के सदस्य और उत्तराधिकारी सम्मेलन में शामिल हुए। सभी ने अपने पूर्वजों के बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में अनूपपुर जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष डॉ. एहसान अली अंसारी, रामसजीवन गौतम, प्रदीप मिश्रा, धनंजय तिवारी, सोमू दुबे, अंजय तिवारी, शैलेंद्र द्विवेदी, नीरज दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निःशुल्क योग प्रशिक्षण से 101 लोगों को जोड़ा, 56 बच्चों को सिखाया गरबा

एसएनडी योगा ग्रुप की सेवा भावना बनी प्रेरणा, बच्चों को सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। निःशुल्क योग प्रशिक्षण देकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना और बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए समय देना सेवा और समर्पण की मिसाल है। एसएनडी योगा ग्रुप की योग शिक्षिका शबनम सिंह अपने इसी प्रयास से लोगों के बीच प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों पूजा केवट और अंजनी सिंह के साथ मिलकर लगभग 101 लोगों को निःशुल्क योगाभ्यास कराया। वहीं, नवरात्रि के दौरान 56 बच्चों को गरबा नृत्य का प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान किया। नवरात्रि के दौरान गरबा नृत्य सीखने वाले बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ



अपनी कला का प्रदर्शन किया। बच्चों की मेहनत और लगन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सम्मान कार्यक्रम में गरबा नृत्य की शिक्षिका को 2,100 रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। वहीं, प्रत्येक बच्चे को 100 रुपये की राशि के साथ टॉफी और प्लेट देकर सम्मानित किया गया। इस पहल से बच्चों का उत्साह बढ़ा और उन्हें अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली। बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शबनम सिंह की सराहना की। उनका कहना था कि शबनम मैम बिना किसी शुल्क के अपना समय और मेहनत देकर योग तथा गरबा नृत्य सिखाती हैं। उनके मार्गदर्शन में बच्चों को नई चीजें सीखने, अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर मिला। शबनम सिंह और उनके सहयोगियों का प्रयास बताता है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए बड़े संसाधनों से अधिक सेवा भावना, समर्पण और मेहनत की आवश्यकता होती है। एक ओर निःशुल्क योगाभ्यास के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है, तो दूसरी ओर बच्चों को प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। एसएनडी योगा ग्रुप की यह पहल न केवल स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देती है, बल्कि बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने और समाज में सहयोग की भावना मजबूत करने का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है।

अमरकंटक में रामकृष्ण मठ की पहल, जरूरतमंद बुजुर्गों को बांटे जा रहे गर्म कंबल

अमरकंटक। सर्दी के मौसम में असहाय और जरूरतमंद बुजुर्गों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से रामकृष्ण मठ, अमरकंटक द्वारा शीतकालीन राहत अभियान चलाया जा रहा है। बेलूर मठ की शाखा केंद्र रामकृष्ण मठ, अमरकंटक की ओर से संचालित इस अभियान के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के गरीब एवं असहाय वृद्धजनों को गर्म कंबल वितरित किए जा रहे हैं। यह अभियान 26 अक्टूबर से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके माध्यम से अमरकंटक सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद बुजुर्गों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मठ से जुड़े स्वामी अध्यानन्द ने बताया कि



शीतकालीन राहत कार्यक्रम की शुरुआत पूर्णिमा के अवसर पर रामकृष्ण मठ, अमरकंटक से की गई है। अभियान के पहले दिन लगभग 33 बुजुर्गों को गर्म कंबल वितरित किए गए। इस अभियान के अंतर्गत करीब 300 जरूरतमंद वृद्धजनों को कंबल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि ठंड के मौसम में उन्हें राहत मिल सके। शीतकालीन राहत अभियान के अंतर्गत स्वामी दिव्यासगानंद महाराज एवं तारक नाथ रॉय द्वारा जरूरतमंद बुजुर्गों को गर्म कंबल वितरित किए गए। इस दौरान जरूरतमंद वृद्धजनों को ठंड से बचाव के लिए कंबल प्रदान कर राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया। मठ की ओर से यह पहल समाज के कमजोर एवं असहाय वर्ग की सेवा और सहायता के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभियान केवल अमरकंटक नगर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब, असहाय और जरूरतमंद बुजुर्गों तक भी पहुंच बनाई जाएगी। मठ की ओर से ऐसे वृद्धजनों को चिह्नित कर कंबल वितरित किए जाएंगे, जिन्हें ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों और अन्य संसाधनों की आवश्यकता है। शीतकालीन राहत अभियान के तहत गर्म कंबल मिलने पर बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। ठंड के मौसम में कंबल जैसी आवश्यक वस्तु मिलने से जरूरतमंद वृद्धजनों को राहत मिली है। रामकृष्ण मठ की इस पहल को सेवा, संवेदना और मानवीय सहायता के रूप में देखा जा रहा है। आगामी 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लगभग 300 जरूरतमंद बुजुर्गों तक गर्म कंबल पहुंचाने की योजना है। रामकृष्ण मठ द्वारा इस पहल के माध्यम से समाज के कमजोर और असहाय वर्ग की सहायता करने का प्रयास किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

शहडोल के ब्राइटन स्कूल में आज लगेगा ईएसआईसी-ईपीएफओ का संयुक्त शिविर

अमलाई। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) एवं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के संयुक्त तत्वावधान में आज शहडोल स्थित ब्राइटन स्कूल में जनसंपर्क शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में ईएसआईसी की अमलाई शाखा द्वारा जानकारी दी गई है।शिविर के अंतर्गत ईएसआईसी का 'सुविधा संगम' एवं ईपीएफओ का 'निधि आपके निकट 2.0' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसका उद्देश्य श्रमिकों, कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों का निराकरण करना है।कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को कर्मचारी राज्य बीमा योजना एवं कर्मचारी भविष्य निधि से जुड़ी सुविधाओं, सेवाओं और योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, संबंधित विभागों के समक्ष अपनी समस्याएं रखने और उनके समाधान के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।श्रमिकों को मिलेगा सीधा संवाद का अवसरईएसआईसी की अमलाई शाखा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह संयुक्त जनसंपर्क कार्यक्रम श्रमिकों एवं कर्मचारियों को विभागीय सेवाओं से जोड़ने और उनकी शिकायतों के त्वरित निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के माध्यम से हितग्राही एक ही मंच पर ईएसआईसी एवं ईपीएफओ से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।शिविर में श्रमिकों, कर्मचारियों, नियोक्ताओं एवं संबंधित हितग्राहियों से शामिल होकर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की गई है।

गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के तहत जिला विकासखंड स्तरीय समिति गठित

उमरिया। गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना अंतर्गत विकासखंड स्तरीय मानपुर, करकेली के समिति से प्राप्त प्रस्तावों का निर्धारित मापदंड अनुसार परीक्षण व सत्यापन उपरांत पुरस्कार के नाम स्वीकृत किए जाने हेतु कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है । समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह सदस्य, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाए एवं डेयरी सचिव , उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी, सहायक आयुक्ता सहकारिता सदस्य होंगे। इसी तरह गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना अंतर्गत विकासखंड स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन वृंदावन ग्रामो विकासखंड मानपुर के ग्राम डोंडका एवं विकासखंड करकेली के ग्राम पठारी में किया जाएगा। भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय गिर, साहिवाल, थारपारकर, मालवी जिसका प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन 6 लीटर अथवा उससे अधिक है , आवेदन हेतु पात्र होगे । प्रतियोगिता के आयोजन हेतु विकासखंड स्तरीय समिति व्दारा प्रतिभागियों के आवेदन प्राप्त कर उनका संकलन एवं परीक्षण कर प्रतियोगिता के आयोजन हेतु विकासखंड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विकासखंड मानपुर हरनीत कौर कलसी की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति में विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी मानपुर सचिव तथा पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ मानपुर सदस्य होंगे। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि अधिकारी 28 एवं 29 अक्टूबर तक गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना में सक्रिय भागीदारी करते हुए चयनित गौ पालकों की प्रक्रिया नियमानुसार पूर्ण करावे।

न्यायालय प्रांगण बुढ़ार में मध्यस्थता को बढ़ावा देने के पुनीत उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक की छात्रों ने दी मनोहारी प्रस्तुति







बुढार। तहसील विधिक सेवा समिति बुढार द्वारा सोमवार को न्यायालय प्रांगण में मीडिएशन फॉर नेशन 3.0 अभियान के अंतर्गत आमजन को मध्यस्थता प्रकिया के प्रति जागरूक करने तथा आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण किये जाने के संबंध में जन जागरूकता तथा नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मा. काशीनाथ सिंह के निर्देशन में तथा जिला अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार अध्यक्ष मा.सुशील कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता मे आयोजित किया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट नरेंद्र कुमार भण्डारी, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश सुश्री दिव्या रामटेके की विशिष्ट उपस्थिति रही।वहीं अभिभाषक संघ बुढार के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा (एड.), वरिष्ठ अधिवक्ता कामता प्रसाद गौतम, नगर निरीक्षक बुढार खेम सिंह पेन्द्रों, थाना प्रभारी धनपुरी विनय सिंह गहरवार, अधिवक्ता ओम प्रकाश पाण्डेय, सतेन्द्र शुक्ला, सुशील मिश्रा, शासकीय अधिवक्ता आलोक राय, अधिवक्ता अरविंद साहनी, शैलेन्द्र सिंह, मयूर मिश्रा, इन्द्र कुमार तिवारी, जितेंद्र मिश्रा, शंकर लोधी, रामकृष्ण गुप्ता, यासिर कैफे, उमेश नामदेव, हरीशचंद्र केवट, बिहारी लाल साहु, मंजु तोमर, रेखा गुप्ता सहित अधिवक्ताओ व पक्षकारों की उपस्थिति उल्लेखनीय रहीं।शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढार के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ आर.एस. नापित, डॉ दिनेश वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में बुढार महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अधिवक्ताओं तथा पक्षकारों के मध्य मध्यस्थता के प्रति जागरूकता लाने तथा पति-पत्नी के मध्य उपजने वाले विवादों को आपसी रजामंदी से समस्या के समाधान निपटाने से प्रेरित नुक्कड-नाटक का मंचन किया, जिसकी सराहना की गई।इस अवसर पर जिला अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष मा. सुशील कुमार अग्रवाल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहाकि-पीडितो को न्याय दिलावाने तथा पारिवारिक विवादो को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत कराने के लिए न्यायधीश तथा अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, और दाम्पत्य जीवन की पुर्नस्थापना के लिए मध्यस्थता के माध्यम से प्रयास किया जाना अत्यावश्यक है।न्यायाधीश मां. अग्रवाल ने महाविद्यालयीन छात्रों द्वारा मध्यस्थता की ओर प्रेरित करने प्रस्तुत किये गये नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कहाकि-आने वाले समय में पक्षकारों को और अधिक जागरूक करने वृहद नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जायेगा।मध्यस्थता जागरूकता के अवसर पर न्यायालय प्रांगण में मंचीय नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति में बुढार महाविद्यालय के छात्र आशीष कुमार सिंह ने न्यायाधीश की भूमिका निभाई, वहीं शैलेन्द्र कोल ने दीवान, ऋृषभ जयसवाल ने नगर निरीक्षक, पूनम सिंह ने महिला मुंशी, पुष्पा सिंह ने महिला कांस्टेबल, राधिका जायसवाल एवं दामिनी बैरागी ने अधिवक्ता की भूमिका वहीं परी सोनी ने पात्र नेहा की बहू (अमित की पत्नी), सत्यम यादव ने अमित (नेहा का पति), नेहा रजक ने-नेहा की मम्मी, राज सिंह गोंड ने रामलाल (नेहा के पिता), गरिमा त्रिपाठी ने सासु सरिता (अमित की माता), शनि कोल ने ससुर सियाराम (अमित के पिता), पावनी सिंह परिहार ने सुमन (ननदं), शिवम् सोनी ने मोहन (पड़ोसी पुरुष) तथा स्वाती विक्रर्मा ने स्वाती (पड़ोसी महिला), नेहा साहनी ने पड़ोसी के नुक्कड़ नाटक का मनोहारी वर्णन प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र शनि कोल ने नुक्कड़ नाटक अवसर पर पधारे अतिथियों को विस्तार पूर्वक अवगत कराया और प्रेरक नाटक का सुन्दर वृत्तांत प्रस्तुत किया, अतिथियों तथा पक्षकारों ने प्रेरक नाटक श्रवण व देखकर पात्रों का उत्साह करतल ध्वनि से किये।



न्यायालय प्रांगण बुढ़ार में मध्यस्थता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक की छात्रों ने दी मनोहारी प्रस्तुति

बुढार। तहसील विधिक सेवा समिति बुढार द्वारा सोमवार को न्यायालय प्रांगण में मीडिएशन फॉर नेशन 3.0 अभियान के अंतर्गत आमजन को मध्यस्थता प्रकिया के प्रति जागरूक करने तथा आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण किये जाने के संबंध में जन जागरूकता तथा नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मा. काशीनाथ सिंह के निर्देशन में तथा जिला अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार अध्यक्ष मा.सुशील कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता मे आयोजित किया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट नरेंद्र कुमार भण्डारी, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश सुश्री दिव्या रामटेके की विशिष्ट उपस्थिति रही।
वहीं अभिभाषक संघ बुढार के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा (एड.), वरिष्ठ अधिवक्ता कामता प्रसाद गौतम, नगर निरीक्षक बुढार खेम सिंह पेन्द्रों, थाना प्रभारी धनपुरी विनय सिंह गहरवार, अधिवक्ता ओम प्रकाश पाण्डेय, सतेन्द्र शुक्ला, सुशील मिश्रा, शासकीय अधिवक्ता आलोक राय, अधिवक्ता अरविंद साहनी,शैलेन्द्र सिंह, अरविंद सहानी,मयूर मिश्रा, इन्द्र कुमार तिवारी, जितेंद्र मिश्रा, शंकर लोधी, रामकृष्ण गुप्ता, यासिर कैफे, उमेश नामदेव, हरीशचंद्र केवट, बिहारी लाल साहु, मंजु तोमर, रेखा गुप्ता सहित अधिवक्ताओ व पक्षकारों की उपस्थिति उल्लेखनीय रहीं।शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढार के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ आर.एस. नापित, डॉ दिनेश वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में बुढार महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अधिवक्ताओं तथा पक्षकारों के मध्य मध्यस्थता के प्रति जागरूकता लाने तथा पति-पत्नी के मध्य उपजने वाले विवादों को आपसी रजामंदी से समस्या के समाधान निपटाने से प्रेरित नुक्कड-नाटक का मंचन किया, जिसकी सराहना की गई।
इस अवसर पर जिला अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष मा. सुशील कुमार अग्रवाल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहाकि-पीडितो को न्याय दिलावाने तथा पारिवारिक विवादो को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत कराने के लिए न्यायधीश तथा अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, और दाम्पत्य जीवन की पुर्नस्थापना के लिए मध्यस्थता के माध्यम से प्रयास किया जाना अत्यावश्यक है।न्यायाधीश मां. अग्रवाल ने महाविद्यालयीन छात्रों द्वारा मध्यस्थता की ओर प्रेरित करने प्रस्तुत किये गये नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कहाकि-आने वाले समय में पक्षकारों को और अधिक जागरूक करने वृहद नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जायेगा। मध्यस्थता जागरूकता के अवसर पर न्यायालय प्रांगण में मंचीय नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति में बुढार महाविद्यालय के छात्र आशीष कुमार सिंह ने न्यायाधीश की भूमिका निभाई, वहीं शैलेन्द्र कोल ने दीवान, ऋृषभ जयसवाल ने नगर निरीक्षक,

आजाद चौक के बस-टैक्सी स्टैंड के पास नशे, जुआ और गाली-गलौज की शिकायतें; पूर्व की चाकूबाजी-तलवारबाजी की घटनाओं से बढ़ी चिंता





धनपुरी के इमामबाड़ा में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

धनपुरी। धनपुरी नगर के प्रमुख स्थल आजाद चौक से जुड़े इमामबाड़ा स्थित बस-टैक्सी स्टैंड के आसपास कथित असामाजिक गतिविधियां स्थानीय नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। आरोप है कि यहां सुबह से देर रात तक कुछ लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। शराब पीने, गांजा सेवन, जुआ खेलने और सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। विद्यालय और बस स्टैंड नजदीक होने के कारण विद्यार्थियों, यात्रियों तथा दूसरे क्षेत्रों से आने वाले लोगों का लगातार आवागमन बना रहता है। ऐसे में सार्वजनिक स्थल पर होने वाली इन गतिविधियों से नगर की छवि और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।व्यस्त क्षेत्र में खुलेआम गाली-गलौज से परेशानीस्थानीय लोगों के अनुसार, बस-टैक्सी स्टैंड के आसपास कुछ लोग आपस में विवाद करते हुए गाली-गलौज करते दिखाई देते हैं। सार्वजनिक स्थान पर इस तरह का व्यवहार आने-जाने वाले लोगों के लिए असहज स्थिति पैदा करता है। खासकर विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों और यात्रियों की मौजूदगी को देखते हुए इस क्षेत्र में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। नागरिकों का कहना है कि नगर के प्रमुख स्थल पर ऐसी स्थिति बने रहना चिंताजनक है।चाकूबाजी और तलवारबाजी की पुरानी घटनाओं से बढ़ा खतराइमामबाड़ा क्षेत्र को लेकर चिंता इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां पूर्व में चाकूबाजी और तलवारबाजी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में विवादों और संदिग्ध गतिविधियों को हल्के में लेना भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। नागरिकों की मांग है कि किसी बड़ी घटना की प्रतीक्षा करने के बजाय पुलिस प्रशासन समय रहते प्रभावी कदम उठाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रह सके।कभी-कभार गश्त से नहीं चलेगा काम, नियमित निगरानी जरूरीस्थानीय नागरिकों का कहना है कि कभी-कभार पुलिस गश्त से स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। यदि शिकायतों के बाद केवल छोटी-मोटी कार्रवाई होती है और नियमित निगरानी नहीं रखी जाती, तो ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना मुश्किल होगा। लोगों की मांग है कि क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त कराई जाए तथा शराब, गांजा, जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए।जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांगआजाद चौक से जुड़े इमामबाड़ा बस-टैक्सी स्टैंड के आसपास की स्थिति को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से विशेष निगरानी व्यवस्था बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि संवेदनशील माने जा रहे इस स्थल पर नियमित पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए, ताकि असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगे और आम नागरिक बिना किसी भय के आवागमन कर सकें।अब जरूरत केवल शिकायतों पर कार्रवाई करने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिससे सार्वजनिक स्थल पर कानून का प्रभाव दिखाई दे। समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए तो विवादों पर नियंत्रण के साथ किसी संभावित गंभीर घटना को भी टाला जा सकता है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर इमामबाड़ा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करेगा।

जरूरत के वक्त यात्रियों का सहारा बनेगा लीनेस क्लब का स्ट्रेचरलीनेस क्लब बुढ़ार की पहल, रेलवे स्टेशन को भेंट की जीवनरक्षक सुविधा; आपात स्थिति में मिलेगी मदद



धनपुरी। समाज सेवा का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब किसी जरूरतमंद को संकट की घड़ी में तत्काल सहायता मिल सके। इसी मानवीय सोच के साथ लीनेस क्लब बुढ़ार ने जनहित की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए बुढ़ार रेलवे स्टेशन को स्ट्रेचर भेंट किया। मुख्य स्टेशन मैनेजर भागीरथ मंडल एवं ट्रैफिक सहायिका माया यादव की उपस्थिति में किए गए इस सेवा कार्य का उद्देश्य स्टेशन पर किसी यात्री की तबीयत बिगड़ने अथवा आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होने पर उसे सुरक्षित तरीके से ले जाने में सहायता उपलब्ध कराना है।आपात स्थिति में उपयोगी साबित होगी सुविधारेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। इनमें बुजुर्ग, बीमार और अन्य जरूरतमंद यात्री भी शामिल रहते हैं। यात्रा के दौरान किसी व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे तत्काल सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना आवश्यक हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में स्ट्रेचर की उपलब्धता काफी मददगार साबित हो सकती है। लीनेस क्लब की इस पहल से स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एक उपयोगी संसाधन उपलब्ध हुआ है। साथ ही, यह कदम सामाजिक संस्थाओं की जनहित में भागीदारी का उदाहरण भी है।छोटी पहल, लेकिन सेवा का बड़ा संदेशक्लब की अध्यक्ष बिंदा भगत ने कहा कि समाज सेवा का वास्तविक उद्देश्य जरूरत के समय लोगों के काम आना है। कई बार छोटी-छोटी पहल भी किसी व्यक्ति के लिए बड़ी सहायता बन जाती है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना सबसे महत्वपूर्ण है। लीनेस क्लब इसी उद्देश्य के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है और भविष्य में भी सेवा भावना से जुड़े कार्य जारी रखेगा।सदस्यों ने निभाई सहभागिताइस अवसर पर क्लब की सचिव अंजू दुआ, कोषाध्यक्ष अर्चना ओझा, नागमणि मानिकपुरी, प्रतिमा जैन और मीनू गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल में सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का संदेश दिया।लीनेस क्लब बुढ़ार का यह प्रयास बताता है कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े छोटे कदम भी आमजन के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। रेलवे स्टेशन पर स्ट्रेचर की उपलब्धता आपात स्थिति में यात्रियों को समय पर सहायता पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप, युवती ने दर्ज कराई शिकायत

केशवाही चौकी क्षेत्र के युवक पर युवती ने लगाया आरोप, महिला थाने में पहुंचकर कार्रवाई की मांग



बुढार। बुढ़ार थाना अंतर्गत केशवाही चौकी क्षेत्र की एक 23 वर्षीय युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने तथा बाद में शादी से इनकार करने का आरोप लगाया है। युवती ने इस संबंध में महिला थाना शहडोल में शिकायत प्रस्तुत कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिकायत के अनुसार, युवती की पहचान आरोपी युवक कनिष्क सिंह निवासी केशवाही चौकी, केशवाही थाना बुढ़ार से इंस्टाग्राम के माध्यम से वर्ष 2023 में हुई थी। शिकायत में युवती ने बताया कि जनवरी 2024 से दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात कही गई है। आरोप है कि कनिष्क सिंह ने जनवरी 2024 में युवती को शादी के लिए प्रपोज किया था और अक्टूबर 2024 तक दोनों के बीच बातचीत होती रही।

शिकायत में युवती ने आरोप लगाया कि 29 अक्टूबर 2024 को आरोपी उसे ग्राम कुम्हारी में प्रेमलाल शर्मा उर्फ बाबू शर्मा के खाली पड़े बाड़े में ले गया, जहां शादी का भरोसा दिलाकर शारीरिक संबंध बनाए। युवती का आरोप है कि इसके बाद भी कई बार शारीरिक संबंध बनाए गए।

शिकायत में युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी के बार-बार संबंध बनाने के कारण वह तीन बार गर्भवती हुई और गर्भपात की गोलियां लेने की बात भी शिकायत में कही गई है। युवती के अनुसार आरोपी शादी के बाद बच्चा होने की बात कहता था। शिकायत में वीडियो बनाए जाने तथा उसे वायरल करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

युवती ने शिकायत में बताया कि 12 अगस्त 2026 को ग्राम कुम्हारी स्थित प्रेमलाल शर्मा के बाड़े में अंतिम बार शारीरिक संबंध बनाए जाने का आरोप है। इसके बाद आरोपी की शादी कहीं और तय होने तथा उसके घरवालों द्वारा शादी से मना करने की बात सामने आने पर युवती ने आरोपी से बातचीत की, लेकिन आरोप है कि 3 अक्टूबर 2026 से उसने बातचीत बंद कर दी। युवती ने महिला थाना शहडोल में शिकायत देकर आरोपी कनिष्क सिंह के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत के आधार पर दस्तावेज में धारा 69 बीएनएस के तहत अपराध कायम किए जाने का उल्लेख है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। चौकी प्रभारी गंगा सिंह मार्को ने आरोपी को गिरफ्तार कर 26 अक्टूबर को न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

28 एवं 29 अक्टूबर को होगा दुधारू देशी गायों की प्रतियोगिता का आयोजन

उमरिया। जिले में वृंदावन ग्राम योजना के तहत विकासखंड मानपुर के ग्राम डोडका तथा विकासखंड करकेली के ग्राम पठारी का चयन किया गया है। इन दोनों ग्रामों में गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के अंतर्गत 28 एवं 29 अक्टूबर 2026 को दुधारू देसी गायों की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में ऐसी देशी नस्ल की गायों को शामिल किया जाएगा, जिनका दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 6 लीटर से अधिक है। प्रतियोगिता का उद्देश्य देशी नस्ल की गायों के पालन को प्रोत्साहित करना तथा पशुपालकों को पशुपालन के प्रति प्रेरित कर उन्हें आर्थिक रूप से लाभान्वित करना है। योजना के अंतर्गत प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये' प्रदान किए जाएंगे।पशुपालन विभाग द्वारा दोनों ग्रामों के पशुपालकों से अपील की गई

खबर संक्षेप



अमरकंटक में गीता स्वाध्याय प्रशिक्षण वर्ग का समापन

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित गीता स्वाध्याय आश्रम में आयोजित विश्वगीताप्रतिष्ठानम के गीता स्वाध्याय प्रशिक्षण वर्ग एवं क्षेत्रीय प्रगत वर्ग का सोमवार को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर समापन हुआ। यह प्रशिक्षण वर्ग 23 अक्टूबर, शनिवार को अश्विन शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर प्रारंभ हुआ था। प्रशिक्षण के दौरान गीता के अध्ययन, उसके जीवनोपयोगी संदेशों तथा आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व पर केंद्रित गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम का समापन गीता स्वाध्याय आश्रम के अध्यक्ष एवं संचालक स्वामी नर्मदानंद गिरि महाराज के सानिध्य में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य को ज्ञान का अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि ज्ञान से ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। गीता का अध्ययन जीवन को सही दिशा प्रदान करता है और मनुष्य को सद्कर्मों की ओर प्रेरित करता है। स्वामी नर्मदानंद गिरि महाराज ने कहा कि भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा देने वाला मार्गदर्शक ग्रंथ है। इसके उपदेशों को आत्मसात कर मनुष्य अपने आचरण में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने लोगों से गीता का नियमित अध्ययन करने और जीवन में अच्छे कर्मों को अपनाने का आह्वान किया। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर संपन्न हुए इस प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य गीता के ज्ञान और उसके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना तथा आध्यात्मिक अध्ययन के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाना रहा। समापन अवसर पर गीता के उपदेशों को जीवन में अपनाने और ज्ञान के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

अनूपपुर में वाहन सर्विस सेंटर से चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार



अनूपपुर। कोतवाली पुलिस ने वाहन सर्विस सेंटर के यार्ड में खड़ी गाड़ियों से सामान चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए तांबे के तार और वाहनों के पुराने पुर्जे जब्त किए हैं। पुलिस आरोपियों से जिले में हुई अन्य चोरियों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राम दुलहरा निवासी संदीप साहू (24) ने 25 अक्टूबर 2026 को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि अनूपपुर स्थित रायपुर कार सर्विस सेंटर के यार्ड में खड़े वाहनों के पुर्जे, वायरिंग और अन्य सामान चोरी हो रहे थे। 24 अक्टूबर की रात करीब एक से दो बजे के बीच तोड़ने की आवाज सुनाई दी। मौके पर जाकर देखा तो दो व्यक्ति एक कार का बोनट खोलकर सामान निकाल रहे थे। दोनों को पकड़कर पूछताछ की गई, लेकिन वे संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। शिकायत पर कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 565/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 3(5) में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 26 अक्टूबर को कार्रवाई की। उपनिरीक्षक जे.पी. लकड़ा और प्रधान आरक्षक नितिन नामदेव की टीम ने आरोपी भारत लाल यादव (19), निवासी सकरिया, तथा पप्पू पुरी (35), निवासी ग्राम सोनमौहरी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए तांबे के तार और वाहनों के पुराने पुर्जे जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों से अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

तीन घंटे ठप रहा रीवा-अमरकंटक मार्ग, प्रशासन के आश्वासन पर खुला रास्ता

पुष्पराजगढ़ में बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरा जनसैलाब







जर्जर सड़कें, अंधेरे गांव, दम तोड़ती सिंचाई नहरें और अवैध खनन के आरोपों से भड़का आक्रोश, पोंड़की चौराहे पर छात्रों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने लगाया जाम

अनूपपुर। सड़कें बदहाल, गांवों में बिजली की समस्या, सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त और अवैध खनन पर कार्रवाई की मांग व पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को लेकर लोगों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। सोमवार, 26 अक्टूबर को छात्र, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग के पोंड़की चौराहे पर चक्काजाम कर उन्होंने प्रशासन के सामने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर नाराजगी जाहिर की। करीब तीन घंटे तक मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद जाम तो खुल गया, लेकिन ग्रामीणों के सवाल अब भी कायम हैं आखिर कब तक बुनियादी सुविधाओं के लिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़ेगा और कब आश्वासनों की जगह जमीन पर काम दिखाई देगा? पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में सड़क, बिजली और सिंचाई जैसी बुनियादी जरूरतों से जुड़ी समस्याओं को लेकर सोमवार का प्रदर्शन प्रशासन के लिए एक स्पष्ट संदेश रहा। पोंड़की चौराहे पर जुटे प्रदर्शनकारियों ने सड़क निर्माण से लेकर क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत और अवैध खनन पर कार्रवाई तक की मांग उठाई। उनका विरोध केवल एक सड़क या एक गांव की समस्या तक सीमित नहीं रहा, बल्कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को लेकर व्यापक असंतोष सामने आया। करीब तीन घंटे तक चले चक्काजाम के कारण रीवा-अमरकंटक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों को जल्द बैठक आयोजित कर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। हालांकि, इस आश्वासन से लोगों की समस्याएं तत्काल दूर नहीं हुई हैं। अब प्रशासन की अगली कार्रवाई ही तय करेगी कि आंदोलन के बाद हालात बदलते हैं या मामला फिर फाइलों और बैठकों तक सीमित रह जाता है।

पोंड़की से पेंड्रा और फर्रीसेमर से नर्मदा पुल तक सड़क की मांग

प्रदर्शनकारियों ने पोंड़की से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक होते हुए पेंड्रा रेलवे स्टेशन तक सड़क निर्माण की मांग उठाई। इसके साथ ही फर्रीसेमर से डिंडोरी जिले के नर्मदा पुल तक सड़क बनाने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। इन मार्गों का निर्माण क्षेत्रीय आवागमन को बेहतर बनाने और ग्रामीणों की आवाजाही को सुगम करने के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग केवल प्रस्तावों की स्थिति बताने तक सीमित न रहें, बल्कि निर्माण की प्रक्रिया, जिम्मेदार विभाग और संभावित समयसीमा को लेकर स्पष्ट जानकारी दें। वर्षों से बुनियादी संपर्क मार्गों की जरूरत महसूस कर रहे क्षेत्रवासियों के लिए अब सबसे अहम सवाल यही है कि इन मांगों पर काम कब शुरू होगा।

रीवा-अमरकंटक मार्ग की बदहाली पर भी उठे सवाल

रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। अमरकंटक जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थल तक पहुंचने के लिए भी इस मार्ग का इस्तेमाल किया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने सड़क की मरम्मत के साथ क्षतिग्रस्त संकेतक बोर्ड बदलने की मांग की। खराब सड़कें केवल सफर को असुविधाजनक नहीं बनातीं, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा सकती हैं। इसके बावजूद मरम्मत और संकेतक बोर्डों की स्थिति को लेकर उठाई गई मांगों पर अब संबंधित विभाग की कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि मार्ग का निरीक्षण कब होगा और जरूरी सुधारों के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

दमगढ़ में बिजली का इंतजार, जोहिला बांध की नहरों की मरम्मत कब?

आंदोलनकारियों ने ग्राम दमगढ़ में विद्युतीकरण कराने और जोहिला बांध की क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत की मांग भी उठाई। बिजली की सुविधा ग्रामीण परिवारों की दैनिक जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और आजीविका से जुड़ी है। वहीं, सिंचाई नहरों की खराब स्थिति किसानों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। इन मांगों पर संबंधित विभागों को मौके की स्थिति का आकलन कर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी। सवाल यह है कि विद्युतीकरण और नहरों की मरम्मत के लिए क्या समयसीमा तय की जाएगी और क्या आगामी बैठक में इन समस्याओं के समाधान को लेकर स्पष्ट निर्णय सामने आएगा?

अवैध क्रेशर, खनन और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत परसमा और सीमावर्ती वन क्षेत्रों में कथित अवैध क्रेशर, खनन तथा ओवरलोड वाहनों के संचालन को लेकर भी ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने इन शिकायतों की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई करने की मांग की। खनन गतिविधियों और भारी वाहनों के संचालन से पर्यावरण, वन क्षेत्रों और ग्रामीण सड़कों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को देखते हुए शिकायतों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। अब संबंधित विभागों की भूमिका अहम होगी। केवल शिकायतों पर चर्चा करने के बजाय मौके पर निरीक्षण, नियमों की जांच और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करना प्रशासन के लिए जरूरी होगा।

जाम खुला, लेकिन सवाल बरकरार; अब प्रशासन की अग्निपरीक्षा

पोंड़की चौराहे पर अधिकारियों के आश्वासन के बाद करीब तीन घंटे से जारी चक्काजाम समाप्त हो गया। प्रशासन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और आंदोलनकारियों के साथ जल्द बैठक कर समस्याओं का समाधान निकालने की बात कही है। लेकिन आंदोलन का असली परिणाम जाम खुलने से नहीं, बल्कि मांगों पर होने वाली कार्रवाई से तय होगा। सड़क निर्माण और मरम्मत, दमगढ़ में विद्युतीकरण, जोहिला बांध की नहरों की स्थिति तथा अवैध खनन की शिकायतों पर स्पष्ट निर्णय लेना अब प्रशासन की जिम्मेदारी है। पुष्पराजगढ़ के लोगों ने अपनी नाराजगी सड़क पर उतारकर जाहिर कर दी है। अब देखना यह है कि प्रशासन उनकी आवाज को कितनी गंभीरता से लेता है। बैठक की तारीख, जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही और काम पूरा करने की समयसीमा तय होती है या फिर क्षेत्रवासियों को एक बार फिर आश्वासनों के भरोसे इंतजार करना पड़ता है।



श्री यंत्र महामेरू शक्तिपीठ में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन, पूर्णाहुति में उमड़े हजारों श्रद्धालु

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के सोनमुड़ा रोड स्थित श्री यंत्र महामेरू शक्तिपीठ में 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का सोमवार को विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच समापन हुआ। महोत्सव के अंतिम दिवस पूर्णाहुति कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को प्रातः 3 बजे से ही धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम शुरू हो गया। निर्धारित विधि-विधान के अनुसार यज्ञ मंडप पूजन, स्पर्श आहुति, मूर्ति संबंधी वैदिक विधान, प्राण-प्रतिष्ठा, महाकुंभ अभिषेक और दीप आराधना सहित विभिन्न धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराई गईं। इसके पश्चात विधिवत पूर्णाहुति दी गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से आयोजन में शामिल हुए। श्री यंत्र महामेरू शक्तिपीठ में आयोजित इस धार्मिक महोत्सव में अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन पूर्णाहुति में शामिल होकर भक्तों ने पूजा-अर्चना की और धर्म लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की सहभागिता से आयोजन की गरिमा और भव्यता बढ़ी। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। 23 अक्टूबर से प्रारंभ हुए प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन अंतिम दिवस पर पूर्णाहुति के साथ हुआ। यज्ञ, अभिषेक, आराधना और अन्य धार्मिक विधियों के माध्यम से महोत्सव को पूर्णता प्रदान की गई। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति और सहभागिता के बीच संपन्न हुआ यह आयोजन धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा।

न्याय सबका अधिकार, प्रत्येक व्यक्ति को विधिक सहायता की जानकारी होना जरूरी-बृजेश पटेल

ग्राम भाद में जिला विधिक साक्षरता शिविर संपन्न



अनूपपुर। ग्राम पंचायत भवन भाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के तत्वावधान में जिला विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती माया बिस्वलाल के दिशा-निर्देश पर आयोजित शिविर में ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर कानून के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, पैरा लीगल वॉलंटियर सुमिता शर्मा, भगवान दास मिश्रा, रेखा धर्मेंद्र मिश्रा, ग्राम पंचायत के सरपंच चंद्रभान सिंह, समाजसेवी जगदीश केवट, राजेश कुमार, नितेश केसरवानी, ग्रामीणों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल ने कहा कि न्याय सबका अधिकार है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है। आर्थिक रूप से कमजोर, वंचित और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और शासन की संबंधित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। पैरा लीगल वॉलंटियर भगवान दास मिश्रा ने विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, निःशुल्क कानूनी परामर्श, लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों के निराकरण तथा पारिवारिक विवाद समाधान योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के जरिए आपसी समझौते से मामलों का निराकरण कर समय और धन की बचत की जा सकती है। वहीं, पैरा लीगल वॉलंटियर सुमिता शर्मा ने महिला एवं बाल सुरक्षा, श्रमिकों के अधिकार, महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम तथा संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में संबंधित विधिक सेवा केंद्र से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत के सरपंच चंद्रभान सिंह ने उपस्थित अधिकारियों और पैरा लीगल वॉलंटियर्स के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के साथ जरूरतमंद लोगों तक न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी पहुंचाना रहा।

साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्कता जरूरी, ठगी होते ही 1930 पर करें कॉल

डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश और केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी से सावधान रहने की अपील



अनूपपुर। डिजिटल लेन-देन और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर ठगी के तरीके भी बदल रहे हैं। फर्जी कॉल, केवाईसी अपडेट, डिजिटल अरेस्ट की धमकी, ऑनलाइन नौकरी और निवेश में अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इसे देखते हुए अक्टूबर में मनाए जा रहे साइबर अपराध जागरूकता माह के तहत अनूपपुर पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधी कई बार पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर वीडियो कॉल करते हैं और गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे जमा कराने का दबाव बनाते हैं। ऐसे मामलों में घबराने के बजाय सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी व्यक्ति को डराकर ऑनलाइन पैसे जमा कराने की मांग को गंभीरता से लें और संबंधित एजेंसी से स्वतंत्र रूप से पुष्टि करें। पुलिस ने नागरिकों को अपना ओटीपी, एटीएम पिन, यूपीआई पिन, सीवीवी और बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी है। व्हाट्सऐप, एसएमएस, ई-मेल या सोशल मीडिया पर आने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और अनजान एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचने को कहा गया है। सोशल मीडिया पर किसी परिचित या रिश्तेदार की आईडी से पैसे मांगने का संदेश मिलने पर पहले फोन करके उसकी पुष्टि करें। इसी तरह, कम समय में अधिक मुनाफा देने वाली निवेश योजनाओं और घर बैठे मोटी कमाई या नौकरी दिलाने के अप्रमाणित प्रस्तावों से भी सावधान रहें। यूपीआई से भुगतान करते समय प्राप्तकर्ता का नाम और राशि जांचना जरूरी है। पैसे प्राप्त करने के लिए यूपीआई पिन डालने की आवश्यकता नहीं होती। पुलिस ने मजबूत पासवर्ड रखने, दो-स्तरीय सुरक्षा सुविधा चालू करने तथा मोबाइल और ऐप को नियमित रूप से अपडेट करने की भी सलाह दी है। ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर पीड़ित को बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए। इसके अलावा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल .बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। समय पर शिकायत करने से ठगी की राशि को आगे हस्तांतरित होने से रोकने की संभावना बढ़ सकती है। शिकायत के लिए लेन-देन का विवरण, बैंक खाते से संबंधित जानकारी, यूपीआई आईडी, संदिग्ध मोबाइल नंबर, लिंक और स्क्रीनशॉट जैसे डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने की सलाह दी गई है। अनूपपुर पुलिस ने विद्यार्थियों, युवाओं, व्यापारियों, वरिष्ठ नागरिकों और ऑनलाइन बैंकिंग का उपयोग करने वाले सभी लोगों से साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी सतर्क करने की अपील की है। पुलिस का संदेश है कि जागरूकता और समय पर कार्रवाई से साइबर ठगी के जोखिम को कम किया जा सकता है।



चचाई की 660 मेगावाट विद्युत परियोजना में स्टील वर्क फैब्रिकेशन शुरू

संरचनात्मक निर्माण और उपकरणों की स्थापना की दिशा में बढ़ा काम

निर्धारित समयसीमा पर परियोजना पूरी करने पर जोर

चचाई। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में निर्माणाधीन 660 मेगावाट क्षमता की सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना में स्टील वर्क फैब्रिकेशन का कार्य प्रारंभ हो गया है। परियोजना निर्माण के इस चरण को महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे आगामी संरचनात्मक निर्माण कार्यों और संबंधित उपकरणों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। परियोजना के निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा के अनुरूप आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न चरणों की प्रगति पर नजर रखी जा रही है। स्टील वर्क फैब्रिकेशन शुरू होने के साथ ही निर्माण की अगली गतिविधियों को गति देने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। विद्युत गृह प्रमुख एवं कार्यपालक निदेशक तनवीर अहमद ने कहा कि परियोजना के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण निर्माण गतिविधियों को निर्धारित समयसीमा के अनुसार शुरू करना और समय पर पूरा करना आवश्यक है, ताकि कार्यों की निरंतरता बनी रहे और परियोजना के समग्र लक्ष्यों को तय समय में हासिल किया जा सके। 660 मेगावाट क्षमता की यह सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना चचाई स्थित अमरकंटक ताप विद्युत गृह के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण है। वर्तमान में स्टील वर्क फैब्रिकेशन का कार्य शुरू होना निर्माण प्रक्रिया के अगले चरणों के लिए आधार तैयार करेगा।

अवैध रेत परिवहन के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार



अनूपपुर। अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के मामले में कोतवाली पुलिस ने घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी चालक राकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को 26 अक्टूबर को गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बिना नंबर के नीले रंग के स्वराज ट्रैक्टर की ट्रॉली में रेत लोड कर अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया था। पुलिस ने रेत सहित परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर अपराध क्रमांक 522/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(5), खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 4/21 तथा मोटरयान अधिनियम की धारा 77/177 के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। घटना के बाद से वाहन चालक फरार था। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी अनूपपुर के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने फरार आरोपी राकेश यादव (23), पिता बबोल यादव, निवासी ग्राम पसला को गिरफ्तार किया। कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक शेख रसीद, प्रधान आरक्षक रीतेश सिंह और आरक्षक अब्दुल कलीम की टीम ने की।